RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 15 अंक : 182 28 अगस्त 2020 मूल्य : 20/-

समाज के
युवा प्रशासनिक अधिकारी
जिन पर समाज को गर्व है

अश्रुपूरित

श्रद्धांजली

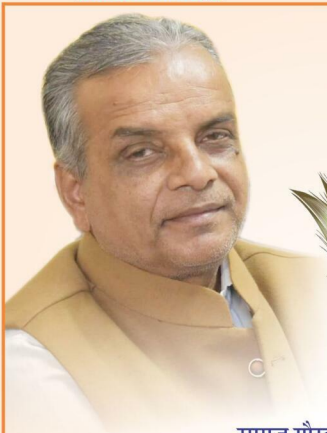

समाज गौरव आदरणीय

श्रीमान बाबूलाल जी टाक

सीनियर सब एडिटर राजस्थान पत्रिका का हुआ निधन।
बाबूलाल जी के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।
माली सैनी संदेश परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के साथ ईश्वर से
प्रार्थना करते है कि उन्हें अपने श्री चरणों मे स्थान दे और
परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्तिप्रदान करें।

श्रद्धानवतः

माली सैनी सन्देश

www.malisainisandesh.com

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 15 ● अंक 182 ● 28 अगस्त, 2020 ● ● मूल्य : 20/- प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

श्रीमान बख्तसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

श्रीमान इंदरसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावना स्टेलाईट)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

समाज की एक मात्र ऑन लाईन पत्रिका माली सैनी संदेश
आप कहीं भी पढ़नें के लिए लॉग ऑन करें :
www.malisainisandesh.com

हम अपनी श्रेष्ठता का सदुपयोग करें....

हम संत महापुरूषों को इसलिए याद करते है कि उन्होंने कल्याण का मार्ग अपनाया और निःस्वार्थ भाव से मानव समाज की सेवा की और सदुपदेश दि। यदि हम सब अपने जीवन की श्रेष्ठता का भी सदुपयोग श्रेष्ठ समाज के सृजन में करे तो कितना आनंददायक होगा ?

हमारा समजा उच्च आदर्शों से सुख शान्ति का रसास्वादन कर सकेगा। युग की परिस्थितियाँ ऐसी भयावह हो गई कि आज हर व्यक्ति अपने समाज के लिए शान्ति और संतोष चाहता है, उसके लिए मनप, वचन और कर्म से उत्साही होकर सज्जनता का व्यवहार करें और परस्पर प्रेम भाव बढ़ाएँ। कहते है निरूत्साही व्यक्ति का कोई वर्तमान और भविष्य नहीं होता। आगे वही बढ़ता है एवं लक्ष्य पूर्ति उसकी ही होती है जो समय के अनुसार प्रगति की रहा पकड़ लेता है। अनेक बार हम ऐसा सोच लेते है कि अभी नहीं बाद में कभी भी कर लेंगे। बहुत समय पड़ा है, पूरी जिंदगी करना ही करना है, ऐसी क्या जल्दी है ? यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है और उदासीनता है। कल किसने देखा है ? वर्षो बीत गए पर हमारे समाज का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाया है। आज भी माली सैनी समाज शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में बहुत पीछे है। आर्थिक दृष्टि से भी अन्य कई समाज के मुकाबले हमारा समाज पिछड़ा है। हमारे व्यवसाय अब हर कोई जाति समाज ने छिन लिए है एवं घर घर हमारा धंधा पहुँच गया है लेकिन हम अपने दिल दिमाग से वहीं हैं जो दस पीढ़ी पहले थे।

हमारी सामाजिक परम्पराओं में और पारिवारिक जीवन में अपनी श्रेष्ठता का सदुपयोग करें। हम अपनी कुशलता को बढ़ाए, राजनीति में अधिक से अधिक प्रवेश करें और उच्च शिक्षा को बढ़ावा दें। हर व्यक्ति को समाजोत्थान की ललक उत्पन्न करें। सामाजिक एकता को मजबूत बनाएँ। बंधुओं इन पक्तियों को ध्यान से पढ़िए और सोचिए की क्या हम श्रेष्ठ समाज के सृजन के लिए तैयार हैं ? कहां हैं-

" अगर चाहते हैं, बने स्वर्ग धरती, तो समर्पण की सरगम बजानी होगी,
अगर कर सके हम सृजन श्रेष्ठ समाज का, तो दुनियाँ हमारी कहानी कहेगी।"

हमें सुनागरिक के नाते परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य एवं दायित्व का बोध होना चाहिए। हमारी धारणा यह नहीं रखे की समाज हमारे लिए क्या करता है ? बल्कि यह सोचें कि हम समाज के लिए क्या कर रहे हैं, और क्या कर सकते हैं ? यदि कोई अपनी प्रगति की ही कामना रख कर अपना काम करता है तो समाज का विकास कभी नहीं हो सकता। भला समूह में काम करने का जो मजा है, वह अकेले में नहीं। सामाजिक जीवन हमारा अनुशासन प्रिय हो, सामूहिक विवाह प्रथा का बढ़ावा दें दहेज के लालच को छोड़े और मद्यपान - धूम्रपान के संग न जाएं। गलत कदम से समाज रूग्ण होता है और अन्य जाति समाज के सम्मुख हमारे समाज की प्रतिष्ठा पर आँच आती है। हमारे मनोभाव नदी के बहते स्वच्छ पानी की भांति हो, लेकिन नियंत्रित भी रहे एवं पवित्रता का ध्यान रखें। आश्चर्य तो यह है कि हमारे बंधु न तो स्वप्रेरित है और न दूसरों के मार्ग दर्शन पर चलना चाहते हैं। तब चिन्ता सताती है और अफसोस होता है कि एक तरफ तो हम सृजन की बत करते हैं और दूसरी तरफ नाना प्रकार के बहाने बनाकर काम में रोड़ा अटकाने वाले होते हैं। तो श्रेष्ठ सृजन कैसे संभव हो सकता है ? श्रेष्ठता में ही खोट मिलाने की मानसिकता से समाज में बिखराव होता है। निर्णायक स्थिति बनानी होगी। आखिर हमारी क्या सोच है ? हम किन धातु तत्वों से बने हैं जो हम पर अपनेपन का रंग नहीं चढ़ रहा है ? समाज कोई व्यायामशाला तो हैं नहीं जहाँ हम शरीर का बल बढ़ा कर कुश्ती करें ? समाज के कल्याणकारी कार्यों के लिए तो मानसिक परिपक्वता और समझदारी की जरूरत है। उत्तम विचारों से ही समाज सशक्त होता है। समाज एक सुव्यवस्थित संस्था है। जिसे हम सद्प्रयत्नों से ही महान बना सकते हैं।

अतः हम अपनी जीजीविषा को आत्मबल से जोड़ कर अभावों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। इच्छा प्रधान व्यक्ति के लिए सब कुछ संभव होता है। प्रायः हम बड़े बड़े संतों महापुरूषों के नाम की दुहाई देते है और उनके बतलाएं आदशों का बखान कर लेते हैं पर उपदेशों के अनुरूप हम नहीं चलते है। हम आत्म निरीक्षण करें। सज्जन एवं योग्य व्यक्तियों का मान-सम्मान करें और मर्यादाओं तथा कर्त्तव्य पालन के संबंध में दृढ़ता अपनाएँ। इसे अपना चरित्र बनाएं।

मनीष गहलोत
संपादक

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

प्रशासनिक अधिकारी पारस सांखला भी बनें चीन में प्रथम सचिव

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत से राजेश परिहार की नियुक्ति

नई दिल्ली। लंबे समय के बाद भारत फिस रे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थाई सदस्य बना है। इस मिशन के लिए सुरक्षा परिषद् में सामान्य मुद्दों पर भारत की बात रखने, वक्तव्य देने व प्रतिनिधित्व करने के लिए सरकार ने जोधपुर में मथानियां के राजेश परिहार की नियुक्ति की है। जो हमारे समाज के लिए गर्व की बात है। भारतीय विदेश सेवा के प्रशासनिक अधिकारी राजेश परिहार अक्टूबर में न्यूयार्क में जाईनिंग करेंगे और जनवरी 2021 से भारत की बतौर सदस्य की अवधि शुरू होगी। वे अभी भारत में चीन के राज दूतावास में प्रथम सचिव आर्थिक एवं वाणिज्यिक मामलों के मुख्या के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत है।

ज्ञात रहे कि युवा राजेश इससे पूर्व भी विदेशों में देश का प्रतिनिधित्व कर समाज व देश को गौरवान्वित कर चुके है गौरतलब है कि मथानियां की लाल मिर्च प्रसिद्ध है तो अब यहां के एक लाल ने इस गांव की ख्याति बढ़ा दी है। गांव के किसान परिवार से निकले राजेश परिहार को 11 साल की सेवा में यह मौका मिला है जो कि हर किसी को नहीं मिलता है। अल्प समय में अपनी प्रशासनिक कार्यकुशलता के चलते राजेश परिहार ने यह मुकाम हासिल किया है। राजेश परिहार ने बताया कि पाकिस्तान व चीन से रिश्तों के चलते भारत का सुरक्षा परिषद् में पहुंचना कई मायनों में महत्वपूर्ण है और इसी मिशन में उन्हें यह जिम्मेदारी मिलना उनके जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

राजेश परिहार ने बताया कि वे गांव में ही पले पढ़े है और उच्च शिक्षा के लिए जोधपुर आ गए थे। वर्ष 2001 में ग्रेजुएशन करने के बाद यूपीएससी की तैयारी में जुट गए 2009 में चयन हुआ। वे सुरक्षा परिषद् में नियमित मुद्दों पर वे ही भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके लिए उन्होंने अभी से तैयारी भी शुरू कर दी है। खासकर, अंतराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की रणनीति और अब तक हुई बातों को उन्होंने रिकॉल करना शुरू कर दिया है। दरअसल, दो साल की यह सदस्यता भारत के लिए अति महत्वपूर्ण है, जिसमें भारत अपने वैश्विक महत्व के मुद्दें विश्व के सबसे शक्तिशाली परिषद की माध्यम से दुनिया के समक्ष रख पाएगा। भारत ने इसी साल जून में रिकॉर्ड 192 में से 184 मतों से यह सदस्यता हासिल की थी। इससे पहले भारत 2011-12 में भी सुरक्षा परिषद् का सदस्य रह चुका है।

पारस सांखला बनें भारतीय दूतावास में सचिव

इसी गांव के आई आर एस पारस सांखला की नियुक्ति बीजिंग दूतावास के प्रथम सचिव के पद पर हुई है। पारस सांखला की प्रथम नियुक्ति 2008 में होने के बाद वे कांडला व अहमदाबाद में 2014 तक असिस्टेंट कमिश्नर रहे। फिर तत्कालीन विदेश मंत्री अरूण जेटली के ओसीडी के रूप में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर चुके है। वर्तमान में पारस सांखला डीआरआई कस्टम के पद पर दिल्ली में कार्यरत है।

इन दोंनों ही अधिकारियों के परिवार आज भी खेती का कार्य ही करते है। पारस सांखला के बड़े भाई हीरालाल सांखला ने बताया कि पारस ने विपरीत परिस्थितियों में रहने के बावजूद परिवार, गांव व समाज के साथ ही देश का नाम रोशन किया है। विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं समाज के प्रबुद्धजनों ने दोनों युवाओं को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाएं की।

माली सैनी संदेश परिवार दोनों प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता है आप दोनों युवाओं ने अल्प समय में राष्ट्र की सेवा के लिए महत्वपूर्ण पदों पर अपनी उत्कृष्ट कार्यकुशलता से अपने माता पिता परिवार को गौरवान्वित करने के साथ ही समाज के प्रत्येक युवा को प्रेरित किया है कि कठोर अनुशासन, मेहनत से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

माली सैनी समाज के प्रथम ऑन लाईन परिचय सम्मेलन में देश विदेश के 1 हजार युवक युवतियों ने लिया उत्साह से भाग

सम्मेलन में प्राप्त हुई सहयोग राशि से समाज की विधवा तलाकशुदा महिला की पुत्री का होगा विवाह

जोधपुर। बहुप्रतिक्षित माली सैनी समाज के प्रथम ऑनलाइन युवक युवति परिचय सम्मेलन में आज समाज के युवक युवतियों ने उत्साह से भाग लिया भाग। आज प्रात 11 बजे जूम एप के माध्यम से आयोजित हुए इस आनलाईन परिचय सम्मेलन में 11 बजे से लेकर 3 बजे तक देश के विभिन्न प्रेदशों के साथ ही विदेशों में रह रहे समाज के विवाह योग्य युवतियों ने एवं उनके परिजनों ने अपना परिचय बेबाकी से दिया ।

सम्मेलन के आयोजक मनीष गहलोत ने बताया कि इस कोरोना काल में युवक युवतियों के परिजनों की बेहद मांग थी कि हम अपने विवाह योग्य बच्चों के लिए किस प्रकार घर बैठे जीवन साथी को चुन सकते है तो यह बात जब शिक्षाविद् भामाशाह निर्मल गहलोत से साझा कि तो उन्होंने सहर्ष अति आधुनिक सुविधा युक्त स्टूडियों उत्कर्ष के स्टूडियों में इस आयोजन की अनुमति प्रदान कर दी। 15 जुलाई से लेकर 15 अगस्त तक करीब 1 हजार रजिस्ट्रेशन हुए थे। आज के आनलाईन आयोजन के लिए आल इण्डिया माली सैनी समाज के राष्ट्रीय सचिव समाजसेवी धमेन्द्र सांखला, समाजसेवी एवं राजनीतिज्ञ श्रीमती मीना सांखला तथा युवा महिला छात्रा नेता दिव्या गहलोत सांखला ने एंकरिग की एवं युवक युवतियों का उत्साह वर्धन करने के साथ ही उनके भावी जीवन साथी के बारे में चर्चा की।

समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों ने अपने बारे में जानकारियां साझा की तथा अपने होने वाले जीवन साथी के बारे में भी अपनी प्रमुखताएं बताई। किसी ने अग्रेजी में तो किसी ने देशी मारवाड़ी अंदाज में अपना परिचय दिया। यहीं नहीं विदेशों में रह रहे समाज के एनआर आई ने अपने देश की संस्कृति के अनुरूप राम राम सा कहकर अपना परिचय मातृ भाषा हिन्दी में दिया। परिचय देने के लिए सभी युवक युवति एवं उनके परिजन ऑन लाईन बैठे रहे तथा अपना नंबर आने पर अपनी शिक्षा एवं जॉब के बारे में जानकारियां साझा की। समाज की बेटियों ने बेबाकी से अपनी बात रखी तथा बताया कि इस आयोजन के माध्यम से हमें ज्ञात हुआ कि हमारा समाज देश विदेश में बड़ी संख्या में फेला है साथ ही उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा में भी अपनी योग्यता से अनेकों सरकारी विभागों में पदस्थापित है। परिचय सम्मेलन में डॉक्टर युवक की प्राथमिकता डॉ युवति की थी तो बैगलोर और पूना सहित आईटी क्षेत्र में मल्टी नेशनल कंपनियों में कार्यरत युवक युवतियों की प्राथमिकता आईटी क्षेत्र से जुड़े जीवन साथी को तलाश रही थी। सूरत से जुड़े हीरा व्यवसायी को अपने लिए घर कार्य में दक्ष जीवन साथी की तलाश थी। तो तहसीलदार पद पर कार्यरत युवति की प्राथमिकता सरकारी अधिकारी की थी। कोलकता एवं चैन्नई में रह रहे सीए और जयपुर में एलएल एम कर चुकी युवतियों को सीए एवं वकील जीवनसाथी को चुनने की प्राथमिकता बताई।

विदेशों में रह रहे युवक युवतियों एवं उनके परिजनों की अधिकतर की मांग भारत में संस्कारित और भारतीय संस्कृति में पली बढ़ी युवति की थी। परिचय सम्मेलन के बीच में शिक्षाविद् निर्मल गहलोत ने भी ऑन लाईन उपस्थित हो युवक युवतियों को जीवन साथी चुनने के लिए मिले इस प्लेटफार्म से ज्यादा से ज्यादा फायदा उठानें की बात करते हुए कहा कि जो भी अपना परिचय दे रहे है वो वास्तविक जानकारियों के साथ दे तथा अपनी बात खुल कर करे क्योंकि वो अपने जीवन भर के लिए साथी को चुन रहे है उन्होंने इस अनूठे अयोजन के लिए आयोजकों का आभार प्रकट करते हुए सुव्यवस्थित आयोजन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी। समाज की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूरे समय ऑन लाईन रह युवक युवतियों का मागदर्शन करती रही। नागपुर के समाज सेवी

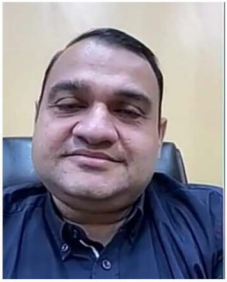

एवं उद्यमी किशन पंवार जो कि स्वयं करीब 10 वर्षों से निःशुल्क मैरिज ब्यूरों के माध्यम से सैकड़ों समाज के युवक युवतियों का विवाह करा चुके है उन्होंने ऐसे आयोजन की महत्ता पर जोर देते हुए इसके नियमित प्रचार प्रसार के साथ साल में एक से अधिक बार करने का सुझाव दिया। समाजसेवी मेहर्दी व्यवसायी ताराचंद गहलोत ने आयोजन के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुझे पाली जिले के संयोजक का दायित्व मिला तथा मैनें अधिक से अधिक युवक युवतियों को जोड़ने का कार्य किया। कोविड 19 के चलते कुछ डॉक्टर्स अपनी ड्यूटी पर थे तो उनके परिजनों ने उनका परिचय प्रदान किया।

आयोजक मनीष गहलोत ने बताया रजिस्टर्ड युवक युवतियों में समाज के उद्योगपति, एक्सपोर्टस, हीरा व्यवसायी, सीए, सीएस, पूर्व रणजी खिलाड़ी, पुलिस सेवा में कार्यरत, सेना में देश के लिए सेवाएं प्रदान करने वाले युवक, इंजिनियर्स, डॉक्टर्स, सरकारी अधिकारी, बैंक ऑफिसर, टी. वी. एक्टर्स, शिक्षक, सरकारी कर्मचारियों के बायोडाटा प्राप्त हुए थे और यह बॉयोडाटा मिलने का सिलसिला आज भी जारी है। आयोजकों ने उन सभी को पीडीएफ फाईल के माध्यम से सभी प्रतिभागियों की जानकारी सोशल मिडिया के माध्यम से कल ही भेज दी गई जिससे वो अपने भावी जीवन साथी का आसानी से चुनाव कर सकें। सभी प्रतिभागियों के संक्षिप्त जीवन परिचय का भी जूम एप में पीपीटी के माध्यम से प्रचार किया गया। सम्मेलन के लिए राजस्थान के अलावा, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, नई दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार प्रदेश के भी प्रतिभागीयों ने भाग लिया। साथ ही अमेरिका, इंग्लैंड, इटली, कैन्या सहित विदेश में रह रहे समाज के एन.आर. आई. परिवार के युवक युवतियों ने भी अपना परिचय दिया। इसके अलावा दिव्यांगों के साथ ही विधवा, विधुर एवं तलाकशुदा युवक युवति ने भी अपने बारे में जानकारियां साझा की।

आयोजन की सफलता के लिए देश के विभिन्न जिलों में संयोजकों की भी नियुक्ति की गई थी जिसमें उदयपुर से दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार जयप्रकाश माली, पाली से वरिष्ठ समाजसेवी ताराचंद टाक, बाड़मेर से सी. पी. गहलोत, अजमेर से समाजसेवी प्रदीप कच्छवाहा, जैतारण से वरिष्ठ समाजसेवी पन्नालाल माली, बीकानेर से आनंद सिंह गहलोत, सीकर से वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल सैनी, डीसा गुजरात से रमेश माली, भोपाल मध्य प्रदेश से वरिष्ठ समाजसेवी गजानंद भाटी, ब्यावर से युवा समाज सेवी नरेन्द्र गहलोत, नागौर से पत्रकार जगदीश यायावर, मुंबई से कवि एवं पत्रकार दिनेश्वर माली, सिरोही से युवा समाज सेवी प्रकाश माली, मेड़ता से जितेन्द्र माली, सरदार शहर से आर्टिस्ट ताराचंद सैनी, हरियाणा एवं पंजाब से सैनी युथ फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र सैनी, झुंझुनु से नरेश बंगड़, जयपुर से अनोखी सेवा संस्थान के अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, अलवर से शिक्षाविद् मुकेश सैनी को संयोजक बनाया गया था। सभी संयोजकों ने परिचय सम्मेलन की सफलता के लिए प्रयास किया और इस आयोजन के लिए 1 हजार से ज्यादा युवक/यवुतियों के सोशल मिडिया के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराने पर आयोजन समिति ने सभी का आभार प्रकट किया। आयोजन समिति द्वारा शीघ्र ही इन सभी रजिस्टर्ड युवक युवतियों के परिचय की एक पुस्तिका का भी प्रकाशन किया जाएगा। इस परिचय सम्मेलन में करीब 450 युवक/युवतियों एवं उनके परिजनों द्वारा 45,000 रूपये की सहयोग राशि प्रदान की गई है इस सहयोग राशि से पत्रिका परिवार समाज की विधवा/ तलाकशुदा महिला की पुत्री का विवाह कराने का निर्णय लिया गया तथा सम्मेलन में घोषणा की गई कि आवश्यकता पड़ने पर समाज के भामाशाहों एवं आयोजन समिति भी इसमें आर्थिक सहयोग करेगा एवं इसके लिए शीघ्र ऐसे परिवार का चयन होगा।

सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस सम्मेलन के अंत में आयोजन समिति की और से सभी प्रतिभगियों को भावी जीवन साथी चुनने के लिए शुभकानाएं प्रेषित करते हुए आयोजन में सक्रिय सहयोग करने वाले सभी संयोजकों एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया गया।

धमेन्द्र गहलोत बनें महासभा के अध्यक्ष

अजमेर। सुंदर विलास स्थित माली सैनी धर्मशाला में अजमेर माली सैनी महासभा की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्वतमान महापौर धर्मेन्द्र गहलोत को महासभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

महासभा का संरक्षक हनुमान कच्छावा, सचिव वीरेन्द्र चौहान और गजेन्द्र दत्त कोषाध्यक्ष बने। बैठक में महासभा के बनाए गग 15सौ से अधिक सदस्यों सहित सभी लोगों ने सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर चर्चा की। समाज के लोगों को संस्थान से जोड़ने सहित नए सामाजिक कार्यों को लेकर विचार विमर्श हुआ।

महेश चौहान की अध्यक्षता में आयोजिक की गई बैठक में चेतन सैनी, धर्मेन्द्र चौहान, विनोद गढ़वाल, हेमराज सिसोदिया, भागचंद पंवार, चांदमल दगदी, धर्मेन्द्र टाक, जितेन्द्र मारोठिया, श्याम सुंदर पंवार, माखनलाल मारोठिया, नोरतमल कच्छावा, पृत्वीराज सांखला, प्रदीप कच्छावा और शिवप्रताप इंदौरा सहित समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

असिस्टेंट कमाडेंट शिवरतन गहलोत राष्ट्रपति पुलिस पदक से होगें सम्मानित

शिवरतन गहलोत को कारगिल युद्ध मे उत्कृष्ट पराक्रम के लिए यह सम्मान मिला है। आपको पूर्व में भी ऑपरेशन विजय पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

आप वर्तमान में Frontier IG के पीएस पद पर जोधपुर पोस्टेड है। हमे आप पर गर्व है

बीएसएफ के असिस्टेंट कमाडेंट शिवरतन गहलोत को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

इंग्लैड में डीडवाना के 10 वर्षीय रवि सैनी ने समुद्र में 1घंटे जिंदगी से जंग लड़ बचाई जिदंगी

डीडवाना। हौसले बुलंद हो तो प्राण संकट में आ जाने पर भी जिदंगी की जंग जीती जा सकती है। ऐसी ही स्टोरी है 10वर्षीय रवि सैनी की।

जिसने हौसला पस्त नही होने दिया। पिछले दिनों डीडवाना मूल के बालक रवि सैनी के साथ एक ऐसी ही घटना घटी जो उसे बहुत कुछ सीखा गयी। यह अनुभव बेहद ही खतरनाक था जिसकी कल्पना शायद हम भी नहीं कर सकते। सैनी अपने परिवार के साथ उत्तरी इंग्लैड में रह रहा है। उत्तरी इंग्लैड में समुद्र तट पर वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा पर गया लेकिन वह समुद्र में बह गया। वर्ल्ड मीडिया में भी सैनी का बार-बार जिक्र किया गया और क्यों न हो। 10 वर्ष बच्चे ने हौसले का वह पाठ पढ़ाया जिसकी तारिफ खुद रेस्क्यू टीम ने भी की। रवि सैनी ने एक घंटे से अधिक समय तक लहरों से लड़ने में सक्षम था क्योंकि उसे स्विमिंग आती थी। सैनी समुद्र में होकर भी स्वीमिंग करने और हो रही घबराहट पर भी काबू पाया। परिजनों ने तुंरत घटनाक्रम की जानकारी सीनीय प्रशासन को दी। रवि ने कहा उसने फ्लोर टू लाइव तककनीक देखी वह शांत रहकर स्टारफिश की तरह फेल गया। मीडिया से बातचीत में सैनी ने अपने बचाव के संदर्भ में कहा कि ''मुझे ऐसा लग रहा था कि आखिरकार जीने का दूसरा मौका मिल गया है।'' लीड्स के स्कूल छात्र रवि अपने परिवार के नाथुराम मां पुष्पा देवी और नौ वर्षीय बहन मुस्कान के साथ दक्षिण खाड़ी में समुद्र तट पर थे। वह अपने पिता और बहन के साथ पानी में चला गया जब उसने देखा तो वह गहरे पानी में था मदद की गुहार लगाई तो पिता ने बचाने की कोशिश की लेकिन पानी बहुत ज्यादा था। समुद्र में 1घंटे बिताने के बाद उसने जीवनरक्षक इंजन को पास आने की आवाज सुनी। स्कारबोरो में लाइफबोट चालक दल को सैनी ने धन्यवाद दिया और आखिरकार लम्बे संघर्ष के बाद सैनी को नया जीवनदान मिल गया।

श्री जितेन्द्र सिंह भाटी को ऑल इंडिया इंडियन ओवरसीज बैंक के ओ बी सी स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

30 लाख रुपए से कराया जा रहा निर्माण, 90 गांव के बच्चों को होगी सुविधा

माली समाज का छात्रावास भवन का चार महीने में बनकर होगा तैयार

श्योपुर। शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े माली समाज द्वारा नई पीढ़ी को अवसर मुहैया कराने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय पर 30 लाख रुपए की लागत से सर्वसुविधा युक्त 100 सीटर छात्रावास का काम करीब 75 प्रतिशत हो गया है। शहर से सटे ग्राम जैदा में छात्रावास भवन का निर्माण कार्य अब छत लेवल चल रहा है। माली समाज की छात्रावास निर्माण समिति ने शुक्रवार को प्रगति की समीक्षा करते हुए इसी साल दिसंबर तक काम कंपलीट होने की संभावना बताई है।

साल 2021 की शुरुआत में छात्रावास का संचालन शुरू कराने का लक्ष्य है। छात्रावास बनने पर जिले के 90 गांव में बसे माली समाज के बच्चों को शहर में पढ़ाई के लिए आवासीय सुविधा मिलने के साथ ही शादी विवाह और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में उपयोग हो सकेगा। 90 गांव में बसे माली समाज के सभी लोगों के आर्थिक सहयोग से30 लाख रुपए में इस छात्रावास की नींव गत वर्ष माली महासभा के जिलाध्यक्ष स्व. मनोहर सुमन ने रखी थी। ग्राम जैदा में 5 बीघा क्षेत्रफल में यह छात्रावास 100 सीटर होगा। 200 फीट लंबा और 16 फीट चौड़ा एक हॉल बनकर तैयार है। जबकि 100 फीट लंबा और 22 फीट चौड़ाई में छात्रों के रहने के लिए कमरों का निर्माण कार्य प्रगति पर चल रहा है। सत्यनारायण सुमन, सचिव, छात्रावास समिति माली समाज श्योपुर ने बताया कि जैदा में सर्वसुविधायुक्त छात्रावास भवन का काम लगभग 75 प्रतिशत हो गया है।अगले 4 महीने में काम पूरा करा लिया जाएगा। दिसंबर और जनवरी के मध्य छात्रावास भवन समाज को समर्पित करने का लक्ष्य है।

छात्रावास के दो बीघा में पार्क किया जाएगा विकसित

जैदा में माली समाज के छात्रावास भवन पर दो बीघा में पार्क विकसित होगा। छात्रावास समिति की देखरेख में इस पार्क में फल, फूलदार व छायादार प्रजातियों के 200 पौधे लगाए गए हैं। मैदान में हरी घास लगाई गई है। पौधों की देखभाल के लिए चौकीदार व सिंचाई के लिए ट्यूबवेल लगाया गया है।। समिति का कहना है कि छात्रावास में बच्चों को हरियाली से प्रा तिक माहौल में रहने के लिए गार्डन तैयार किया जा रहा है।

महात्मा ज्योतिबा फूले एवं माता सावित्री बाई फूले की प्रतिमा भी होगी स्थापित

छात्रावास कैंपस में शिक्षा क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फूले और शिक्षा की देवी माता सावित्री बाई फूले की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। छात्रावास के शुभारंभ के मौके पर प्रमिमा का अनावरण होगा। अभी कार्यक्रम की तिथि तय नहीं हुई है। दिसबंर माह के अंत या जनवरी 2021 की शुरूआत में छात्रावास का शुभारंभ करने की योजना है।

छात्रावास निर्माण समिति ने भवन की प्रगति समीक्षा बैठक की। बताया गया है कि छत, प्लास्टर और फिनिशिंग का काम दिसंबर तक पूरा कर दिया जाएगा। छात्रावास समिति के सदस्य रामहेत सुमन, मांगीलाल, सीयाराम, रघुवीर, पारस सुमन, जगदीश, शंकरलाल, रामकिशन, भीमराज, सुरेश सुमन, गोवर्धन, सत्यनाराण माली आदि प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

डॉ. शुभम मौर्या प्रतापगढ़ में चिकित्साधिकारी के पद पर है तैनात

आईएएस बना शुभम मौर्या, मिली 576 वीं रैंक, तीसरे प्रयास में मिली सफलता

ज्ञानपुर। भदोही जिले के एक और लाल ने कमाल कर दिया। ज्ञानपुर के शुभम मौर्या ने यूपीएससी की परीक्षा में 576वीं रैंक हासिल की है। उनकी इस कामयाबी पर समूचे जिले में खुशी है। भदोही के पूर्व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आरबी मौर्या के पुत्र शुभम शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। उनकी नर्सरी से 12वीं तक की पढ़ाई गोपीगंज स्थित सेंट थॉमस स्कूल से हुई है।

उन्होंने बातचीत में बताया कि एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग से स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सक के पद पर उनका चयन हो गया था। पिछले तीन महीने से वह प्रतापगढ़ जिले के बेलखरनाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्साधिकारी हैं। मगर सिविल सेवा में जाने की इच्छा हमेशा बनी रही। लिहाजा इसके लिए प्रयास जारी रखा।

बताया कि उन्होंने तीसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। उनका साक्षात्कार 27 फरवरी को दिल्ली में हुआ था। वह अपनी सफलता में माता-पिता और गुरुजनों का खास सहयोग मानते हैं। शुभम की सफलता पर यहां उनके स्कूल सेंट थॉमस गोपीगंज में खुशी का माहौल रहा। गौरतलब है कि शुभम की मां डॉ. कल्पना मौर्या शिक्षिका रही हैं। उनका परिवार ज्ञानपुर जिला मुख्यालय से लगे जोरई गांव में रहता है।

मौर्या विकास समिति ने शुभम की सफलता की सूचना मिलते ही आवास पहुंचकर उनका अभिनंदन किया। संगठन के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार मौर्या की अगुवाई में पहुंचे पदाधिकारियों ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है। इसके बाद उन्होंने शुभम का माल्यार्पण कर मुंह मीठा कराया। इस मौके पर संगठन मंत्री हरीशचंद्र मौर्या, जिला सचिव विमलेश मौर्या, राधेश्याम कुशवाहा, लालजी मौर्या आदि लोग उपस्थित थे। वक्तओं ने कहा कि इस समय पूरे जिले में समाज के 10 आईएएस ऑफिसर हो गए है। इन सभी का भदोही जिले की ओर से बधाई देने का वक्त है। माली सैनी संदेश परिवार शुभम को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं करता है।

युवा विभव सैनी बनें आईएएस समाज में खुशी की लहर

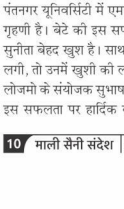

रूड़की। रूड़की के युवा पुलिस अधिकारी विभव सैनी ने सिविल सर्विस की परीक्षा पास कर क्षेत्र को नाम रोशन कर दिया है। रूड़की नगर निगम क्षेत्र के ग्रा सलेमपुर राजपुताना के मूलत: निवासी राजकुमार सैनी सिंचाई विभाग रूड़की में सेवारत है। उनके पुत्र विभव सैनी तो कि वर्तमान में नरेन्द्र नगर सीओ की ट्रेनिंग कर रहे है।

उन्होंने अब आईएएस परीक्षा पास करने कर ऊँची सफलता अर्जित की। विभव की एकलौती बहन विभा सैनी पंतनगर यूनिवर्सिटी में एमएससी की पढ़ाई कर रही है। माता सुनीता सैनी गृहणी है। बेटे की इस सफलता पर पिता राजकुमार सैनी व उनकी माता सुनीता बेहद खुश है। साथ ही जब यह सूचना समाज व क्षेत्र के लोगों को लगी, तो उनमें खुशी की लहर दौड़ गई। विभव सैनी की इस सफलता पर लोजमो के संयोजक सुभाष सैनी व उनकी टीम ने आईएएस विभव सैनी को इस सफलता पर हार्दिक बधाई दी साथ ही परिवार के सभी सदस्यों से मिलकर एक दूसरे का मुंह मीठा करा खुशियां मनाई गई। सुभाष सैनी ने कहा कि इस होनहार बालक ने रूड़की शहर के साथ ही जनपद हरिद्वार व उत्तराखण्ड का नाम रोशन किया है।

समाज की अनेकों संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने विभव की इस सफलता पर बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं की।

इसके अलावा भी समाज के युवा बिहार नालंदा जिला निवासी अभिमन्यु कुशवाहा ने यूपीएससी 2020 की परीक्षा में 486रैंक एवं खगरिया जिला निवासी अमरदीप ने 468 स्थान प्राप्त की है आशा है कि देश के नवनिर्माण में आप भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार समाज के दीपक सैनी, अभिषेक कुशवाहा, अभिषेक सैनी, अदिति कुशवाहा, श्वेता सुमन ने भी सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है हम सभी सफल युवाओं को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

गीता माली ने अपनी तीन बीघा जमीन राजहित में विद्यालय के लिए की समर्पित

प्रदेश की एकमात्र शिक्षिका गीता माली राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से होगी सम्मानित

गीता माली ने महात्मा फूले व सावित्री बाई फूले के संघर्ष की याद को किया ताजा, कड़े संघर्ष से प्राप्त की अनेकों सफलताएं

बाड़मेर। इस साल शिक्षक दिवस पर राजस्थान की एकमात्र बाड़मेर जिले के राजकीय शिक्षाकर्मी प्राथमिक विद्यालय सरूपोणी मालियों का बास सरकापार- बांदरा की प्रबंधक शिक्षिका गीता माली राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 220 से 5 सितंबर को दिल्ली में सम्मानित होगी।

गीता माली ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने कक्षा एक से आठ तक की पढ़ाई गांव की बालिका विद्यालय से की। वो भी समाज के ताना- बाना से आगे की पढ़ाई की इच्छा जताई तो पिता ने मना कर दिया और कहा बेटी के लिए इतनी पढ़ाई बहुत है तो गीता ने अपने पिता को कहा भाईयों को पढ़ा रहे हो और मुझे घर का काम करने के लिए घर पर रख रहे हो तो पिता ने बताया कि लड़कियों को लड़के के साथ नहीं पढ़ा सकते है।पिता द्वारा लड़के लड़की में यह भेदभाव देखकर गीता दो साल तक परिजनों से रूठी रही।सन् 2000 में गीता की शादी कवास गांव के लक्ष्मणराम पुत्र रेवन्ता राम माली के साथ कर दी। जैसे ही गीता ससुराल आई तो गांव की महिलाएं कहने लगी कि बहू पढ़ी लिखी आई है देखते है घर पर कामकाज कैसे करेगी। ससुराल की लड़कियों से गीता ने पूछा तो बताया कि यहां की लड़कियां तो स्कूल जाती ही नहीं हैं। लड़के भी 12वीं तक पढ़कर काम धंधा करने लग जाते है। तब गीता ने मन ही मन सोचा अब मेरी पढ़ाई का क्या होगा ?

फिर जैसे तैसे पिताजी से पढ़ाई की जिद्द करके प्राईवेट से दसवीं पास की। 2002 में शिक्षाकर्मी बोर्ड की टीम गीता के गांव पहुंची। बोर्ड की योजना दूरदराज गांव ढ़ाणियों में स्कूल खोलना था। टीम के साथ गीता के पिता भी थे। गीता को आगे पढ़ाने की जिद्द के आगे पिता ने ससुराल पक्ष से बात की तो जवाब मिला कि आपकी बेटी पीकरी करेगी तो बेटा चूल्हा-चौका करेगा क्या ? टीम ने घर के दो लोगों को सरकारी नौकरी लगाने व मानदेय 1200 रूपये देने की बात कही तो जैसे तैसे गीता के ससुराल वालों ने गीता के पति के हिस्से की उनके ससुर रेंवताराम पुत्र आशु माली निवासी सरकापारा बांदरा खसरा संख्या 998/732 रकबा की तीन बीघा जमीन विद्यालय के लिए राजहित में दान की तब बोर्ड ने गीता को योजना में शामिल किया। गीता के पति व ससुर खेतीबाड़ी का काम करते है। गीता के एक लड़का व एक लड़की है। कार्यग्रहण का आदेश आते ही पेड़ के नीचे कक्षा एक चालू कर पढ़ाना शुरू किया तो पांच साल में नामांकन संख्या 75 हो गई। साथ साथ में गीता ने भी आगे पढ़ाई जारी रखी और सन् 2004 में 12वीं की परीक्षा दी परंतु अंग्रेजी विषय पास नही कर पाई फिर अगले साल 12वीं कक्षा पास की और उसके बाद पढ़ने का तरीका बदला। घर व खेत का कामकाज करते समय प्रश्न उत्तर की छोटी-छोटी पर्चियां बनाकर दो किलोमीटर दूर से पाली लाते व जाते समय पढ़ती थी। परीक्षा के समय पीहर में जाकर परीक्षा देना।

सन् 2005 में बी.ए. प्रथम वर्ष पास की। उन दिनों सरकारी आदेश आया कि 12वीं पास वालों को पत्राचार से बीएसटीसी कराया जाएगा तो गीता का मनोबल ओर बढ़ गया और पढ़ाई निरंतर जारी रखी। बीएसटीसी में बहुत समस्या का सामना करना पड़ा क्योंकि उसमें सफेद साड़ी वाली यूनिफॉर्म पहननी पड़ती थी। प्रशिक्षण सेंटर पर यूनिफॉर्म पहनना और वहीं बदलकर आना नहीं तो समाज कहता बहू को सफेद पहना दिया। इसी सत्र में 21 अगस्त 200 में कवास गांव में आई बाढ़ ने गीता की जिंदगी की रफ्तार में कोहराम मचा दिया। उस बाढ़ग्रस्त से कवास गांव के आसपास के लोगों की मृत्यु हो गई जिसमें 15 बच्चे गीता के विद्यालय के थे। इस दुख के कठिन समय में घरों और टेंट में गीता ने स्कूल चलाया। साथ ही पत्राचार से बीएसटीसी की पढ़ाई भी जारी रखी। बीएसटीसी करने पर सन् 2008 में साक्षात्कार द्वारा गीता को स्थाई कर्मचारी माना गया। सन् 2009 में गीता ने बी.ए. पास कर लिया और सन् 2011 में समाज को समझने के लिए समाजशास्त्र में एम. ए. किया।

समाजशास्त्र विषय में अज्ञानता, अंधविश्वास, कुरीतियों, रूढ़िवाद को गीता ने पढ़ा और समझा। उन बेड़ियों से लड़ने के लिए गांव की महिलाओं व लड़कियों को पढ़ाने का काम किया। साथ ही गीता ने तीन विषयों में एम. ए. कर लिया। विद्यालय में कमजोर वर्ग की लड़कियों को गीता ने पढ़ाया जिसमें एक लड़की तृतीय श्रेणी की शिक्षिका है जो जसोल में अध्ययन करा रही है।

आज गीता के गांव की महिलाएं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी है। बालिकाएं बी.ए. तक पढ़ाई कर रही है। एक घर से तीन महिलाएं सरकारी नौकरी कर रही है। कभी वर्षों पहले लड़कियों को पढ़ाया नहीं जाता था आज पढ़ रही है तो हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही है। गीता की स्कूल की गतिविधियों को देखकर शिक्षा विभाग द्वारा तहसील व जिला स्तर पर सम्मानित भी किया जा चुका है।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकी त एवं अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय केसर सिंह जी चम्पावत बाड़मेर जिला अध्यक्ष श्री हनीफ खान प्रदेश प्रवक्ता गुमान सिंह गहलोत ने बहिन गीता माली का राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान से एक मात्र प्रबोधक का शिक्षक दिवस पर सम्मानित होने हेतु चयनित होने पर बाड़मेर स्थित उनके निवास स्थान पर जाकर गुलदस्ता एवं शाल भेट कर उन्हे बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी ।

बहिन गीता माली द्रप्रबोधक ऋने संघर्ष व अभावो की जिंदगी जीते हुए शिक्षाकर्मी से अपना सफर शुरू किया ओर प्रबोधक केडर पर चयन हुआ ओर आज राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हेतु चयनित होने पर पुरे प्रबोधक वर्ग मे खुशी की लहर है बहिन गीता जी ने प्रबोधक संघ का पुरे प्रदेश मे मान सम्मान बढ़ाया है प्रबोधक संघ को बहिन गीता जी पर नाज है

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकी त एवं अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय केसर सिंह जी चम्पावत बाड़मेर जिला अध्यक्ष श्री हनीफ खान प्रदेश प्रवक्ता गुमान सिंह गहलोत ने बहिन गीता माली का राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान से एक मात्र प्रबोधक का शिक्षक दिवस पर सम्मानित होने हेतु चयनित होने पर बाड़मेर स्थित उनके निवास स्थान पर जाकर गुलदस्ता एवं शाल भेट कर उन्हे बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी ।

राष्ट्रीय फूल बिग्रेड की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर

प्रथम आयोजन में ही रक्तदान करने उमड़े युवा

रिकॉर्ड 352 यूनिट रक्त संग्रहित

मालपुरा। राष्ट्रीय फूल बिग्रेड की ओर से रविवार को मालपुरा शहर के प्रथम स्वैच्छिह विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोरधन लाल सौंकरिया, नगर पालिका अध्यक्ष आशा महावीर नामा व हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जी एल शर्मा तथा थानाधिकारी दशरथ सिंह राठौड़ ने महात्मा ज्योति बा फूले के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर तथा फीता काटकर विशाल रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार सैनी ने बताया कि राष्ट्रीय फूले बिग्रेड की ओर से मालपुरा शहर में प्रथम बार आयोजित किए गए शिविर के शुभारंभ पर ही बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान के लिए अपना जोश दिखाया जिसके चलते शिविर की आधी अवधि में ही करीब 200 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर दिया। शिविर में कुल 352 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया वही रक्तदान करने के लिए युवाओं की कतार लगी रही। शिविर में राष्ट्रीय फूले बिग्रेड के राष्ट्रीय संयोजक चंद्रप्रकाश सैनी ने भी शिविर में शिरकत की तथा युवाओं का हौसला बढ़ाया।

शिविर के दौरान राष्ट्रीय फूले बिग्रेडछ के जिला प्रमुख रमेश सैनी, तहसील प्रमुख राकेश सैनी सहित महावीर सैनी व अन्य युवाओं ने सक्रिय योगदान देते हुए शिविर को सफल बनाय। उन्होंने बताया कि शिविर में रक्तदान करने वाले रक्त दाताओं को प्रशस्ति पत्र के साथ ही सुरक्षा के लिए हेलमेट भेंट की गई। वहीं मालपुरा शहर में प्रथम बार आयोजित शिविर ऐतिहासिक शिविर बन गया जब फूले बिग्रेड के युवाओं के सक्रिय योगदान से मालपुरा शहर में आयोजित पहली बार आयोजित किसी शिविर में 352 यूनिट रक्त संग्रह किया गया उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान रक्तदान करने वाले युवाओं की कतारें दिनभर लगी रही। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार प्रकट करते हुए सामाजिक आयोजन के लिए इतनी बड़ी संख्या में पधारने पर हार्दिक आभार ज्ञापित किया।

ऑल राजस्थान दुकानदार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष किशोर कुमार टाक आये लक्ष्मनगढ

ताराचंद सैनी बनें ऑल राजस्थान दुकानदार महासंघ के तहसील अध्यक्ष

लक्ष्मनगढ 9 अगस्त। ऑल राजस्थान दुकानदार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष किशोर कुमार टाक लक्ष्मनगढ आये तथा दुकनदारों की समस्याओ से रूबरू हुए इस अवसर पर महासंघ के तहसील अध्यक्ष के रूप मे ताराचंद सैनी को मनोनीत किया है।

इससे पूर्व टांक का यहा तोदी कालेज के सामने स्थित सिगोदिया ट्रेडिंग कम्पनी पर महासंघ के प्रदेश योजना सलाहकार पत्रकार बाबूलाल सैनी के नेतृत्व मे माल्यार्पण कर स्वागत किया गया श्री टाक के साथ आये महासंघ के शंकर बाक्सर,

शशिकान्त शर्मा, चन्द्रमोहन पारीक, का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया इस अवसर पर उन्होने दुकानदारों को होने वाली परेशानी को प्रशासनिक व सरकारी स्तर हर स्तर पर समाधान कराने का विश्वास दिलाते हुए महासंघ से जुड़ने का आव्हान किया इस अवसर झावरमल सिगोदिया, सज्जन कुमार सैनी, महेन्द्र सैनी, लक्ष्मनगढ नागरिक परिषद युवा प्रकोष्ठ के तहसील अध्यक्ष जगदीश सैनी, एडवोकेट सत्यनारायण सैनी, पार्षद राकेश सैनी, राकेश टांक, राजकुमार सैनी, ताराचंद सैनी, व्याख्याता जयप्रकाश सैनी, राजेश(राजू) सैनी, बजरंग सिगोंदिया, विकास सैनी, रतन सैनी, सुरेश सैनी आदि मौजूद थे।

छोटी उम्र में बड़ी उपलब्धि प्राप्त कर अनिल सैनी बने थे बैंक प्रबंधक

लक्ष्मणगढ़ सीकर। कम उम्र मे बड़ी उपलब्धी कड़ी मेहनत संघर्ष व भाग्य से मिलती है ऐसे ही भाग्यशाली युवक है लक्ष्मणगढ़ के वार्ड 19 निवासी अनिल सैनी है।

करीब 12 वर्ष की उम्र मे पिता के निधन के बाद कठिन दौर व संकट का सामना करने वाले अनिल सैनी ने अपने संघर्ष व कड़ी मेहनत के दम पर महज 19 वर्ष की आयु मे बैक प्रबंधक के रूप मे चयनित हुए शुरूआती दौर मे पिता के देहान्त के बाद अपने बड़े भाई की दुकान पर व्यवसाय मे सहयोग करने लगे, अपनी पढ़ाई के साथ साथ परिवार की जिम्मेदारी निभाने लगे इसी दौरान भाग्य ने साथ दिया और 2014 मे राजस्थान बड़ौदा क्षेत्रीय ग्रामिण बैक में प्रबंधक के रूप मे चयनित हुए इतनी छोटी उम्र मे बैंक प्रबंधक रूप मे चयनित होने वाले अनिल लक्ष्मणगढ़ सैनी समाज के पहले व्यक्ति है जिन्होंने इतनी छोटी उम्र मे इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की।

बैंक मे चयनित होने पर सबसे पहली नियुक्ति डिगाल जिला झुन्झुनू मे मिली। वर्तमान मे डुण्डलोद जिला झुन्झुनू स्थित बैंक मे शाखा प्रबंधक है, श्री सैनी ने अपनी तैयारी एसबीआई के अधिकिसर चूरू निवासी लीलाधर इन्दौरिया के मार्गदर्शन मे जोधपुर स्थित माली संस्थान मे करीब आठ माह तक कड़े संघर्ष व मेहनत के साथ कोंचिंग की तथा सफलता हासिल की अपने व्यवहार कुशलता व कार्य के प्रति लगन के चलते बैंक यूनियन मे पदाधिकारी बन शेखावाटी के बैंक कर्मियो के अधिकारो के लिए संघर्ष कर अपनी केन्द्रीय कार्यालय मे पकड़ बनाई अपनी कार्य कुशलता व सराहनीय

सेवाओ के लिए अनेको बार सम्मानित हो चुके है। श्री सैनी ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा आदर्श विधा मंदिर से प्राप्त कर उच्च शिक्षा बगड़िया स्कूल से तथा कालेज की डिग्री सीकर से हासिल करने के बाद जोधपुर मे बैंक की तैयारी कर छोटी सी उम्र मे बड़ी उपलब्धी हासिल की।

ज्ञात रहे माली संस्थान में बहु प्रतियोगी प्रक्षिक्षण संस्थान की नींव डालने वाले वरिष्ठ बैंक अधिकारी प्रताप सिंह गहलोत के दूरगामी सोच एवं मेहनत से आज हजारों समाज के स्टूडेंट्स देश विदेश में बैंकों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है। हमें प्रताप सिंह गहलोत पर गर्व है जिन्होंने आज से 35 वर्ष पहले यह पौधा लगाया जो आज एक वट वृक्ष का रूप ले चुका है।

समाज गौरव निर्मल गहलोत की अनुपम सेवा : ऐसा भी होता है समय पर ऋण देने वालों को ब्याज वापस दिया जाएगा

अनूठी 2 करोड़ रुपये की निर्मल आत्मनिर्भर ऋण योजना

जोधपुर। समाज गौरव भामाशाह शिक्षाविद् निर्मल गहलोत के निर्मल हृदय से छोटे दुकानदार-व्यापारी और जरूरतमंद लोगों के लिए 2 करोड़ रूपये की निर्मल आत्मनिर्भर ;ण योजना की शुरूआत अपने 42वें जन्मदिवस पर की। समाज सेवा आर्थिक सहयोग के साथ शिक्षा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित करने वाले आदरणीय निर्मल जी ने आज इस योजना का ऐलान करने के साथ ही योजना से लोन लेने वाले लाभार्थियों को एक अनोखी भेंट भी दी है कि उनके लोन पर केवल 5 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज लिया जाएगा। यहीं नहीं समय पर लोन चुकाने वाले को 5: ब्याज की रकम वापस प्रदान कर दी जाएगी। यह योजना प्रारंभिक तौर पर जोधपुर में प्रारंभ की गई है बाद में इसका विस्तार भी किया जाएगा।

हमें समाज के युवा भामाशाह शिक्षाविद् निर्मल जी गहलोत पर गर्व है आपने स्वयं आत्म निर्भर बन समाज के पिछड़े लोगों को स्वाभिमान एवं आत्म निर्भरता से जीने के लिए जो ऐतिहासिक कदम उठाया उसकी प्रंशसा शब्दों में करना मुमकिन नहीं है धन्य है आपके माता पिता जिन्होंने आपको ऐसे संस्कार दिए। आपने उत्कर्ष नाम को अनेकों बार सार्थक किया है। माली सैनी संदेश परिवार आपका बारंबार अभिनंदन करता है और आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

आपके सम्मान में यह पक्तियां : परमारथ हरि रुप है, करो सदा मन पर उपकारी जीव जो, सबसे मिलते धाये। अर्थात : परमार्थ दूसरों की सहायता करना ईश्वर का हीं स्वरुप है। इसे सदा मनोयोग पूर्वक करना चाहिये। जो दूसरों का उपकार मदद करता है- प्रभु उससे दौड़कर गले मिलते है।

योजना का संक्षिप्त परिचय :

1. कोरोना की इस महामारी ने पूरे देश की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। दिन-प्रतिदिन छोटी-मोटी कमाई करके अपनी आजीविका चलाने वाले आम लोग इस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इन प्रभावित लोगों के आय के साधन को पुनर्जीवित करने के लिए यह योजना शुरू की गई है।
2. इस योजना के तहत कुल 2 करोड़ रुपए की राशि ऋण के रूप में वितरित की जाएगी।

योजना का उद्देश्य :

1. यह योजना पूरी तरह से जन-कल्याण और सेवा-भाव पर आधारित है।
2. इसका एकमात्र उद्देश्य कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित लोगों की आजीविका को पुन: पटरी पर लाना है ताकि वे स्वाभिमान के साथ आत्मनिर्भर होकर समाज में हमारे साथ रह सकें।
3. हम जिस समाज में रहते हैं और जिस समाज ने हमें बनाया, उस समाज के प्रति हमारे भी नैतिक और सामाजिक दायित्व हैं यह विशेषकर तब जब आप इस रूप में स्वयं को सक्षम पाते हैं कि आप समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए कुछ कर सकते हैं। बस, इसी सोच को कार्यरूप देने के प्रतिफल के रूप में यह योजना मैंने शुरू की है।
4. इस योजना को शुरू करने के पीछे आर्थिक लाभ की कोई मंशा नहीं है, यही कारण है कि इस योजना में ऐसी कोई शर्त नहीं है जिससे किसी लाभान्वित व्यक्ति पर एक रुपए का भी अतिरिक्त बोझ पड़े। ऋण लेने वाले व्यक्ति को अंतत: उतनी ही राशि वापस करनी है जितनी राशि उन्होंने ऋण के रूप में ली थी।

इस योजना में कौन पात्र होंगे ?

इस योजना के अंतर्गत दैनिक रूप से छोटी-मोटी आय अर्जित करके अपनी आजीविका चलाने वाले आम लोगों को ;ण देने का लक्ष्य रखा गया है जो निम्नलिखित श्रेणी के होंगे-

1. रेहड़ी-पटरी लगाने वाले
2. सब्जी-फल बेचने वाले
3. दैनिक उपभोग का छोटा-मोटा सामान बेचने वाले
4. गोलगप्पे, चाट आदि की दुकान चलाने वाले
5. पंचर की दुकान, सैलून आदि चलाने वाले
6. रिक्शा, ठेला चलाकर अपना भरण-पोषण करने वाले
7. शहर में घूम-घूमकर सामान बेचने वाले
8. खिलौने, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले
9. अन्य छोटे-मोटे रोजगार करने वाले आदि।

योजना के तहत ऋण राशि :

1. इस योजना के लिए कुल फंड 2 करोड़ रुपए है।
2. इस योजना के अंतर्गत एक पात्र व्यक्ति को अधिकतम 50,000 रुपए तक का ऋण दिया जाएगा। इस तरह, इस योजना से एक बार में कुल 400 से 500 व्यक्ति लाभान्वित होंगे।

ऋण राशि की अदायगी :

1. इस योजना के तहत ऋण के रूप में जो सहायतार्थ राशि दी जाएगी, उसे लाभार्थी 10 समान किस्तों में वापस कर सकेंगे। ऋण लेने के 2 महीने बाद पहली किस्त शुरू होगी।
2. चूँकि बैंकिंग से जुड़े नियम के अनुसार, कोई भी ऋण बिना ब्याज के नहीं दी जा सकती है, अत: इस ऋण पर सांकेतिक रूप से 5 प्रतिशत का वार्षिक ब्याज देना होगा। सांकेतिक कहने का अर्थ है कि जो व्यक्ति समय पर अपनी सारी किस्तें चुका देगा, उन्हें उनके द्वारा ब्याज के रूप में दी गई रकम वापस कर दी जाएगी।

3. जैसे-जैसे ऋण की यह राशि वापस मिलती रहेगी, वैसे-वैसे यह राशि रोटेशन के आधार पर अन्य व्यक्तियों को ऋण के रूप में प्राप्त होती रहेगी।

योजना का कार्य-क्षेत्र (विस्तार) :

वर्तमान में यह योजना जोधपुर नगर निगम के अंतर्गत रहने वाले लोगों के लिए है। चूँकि जोधपुर मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों है, अत: मेरा पहला कर्तव्य बनता है कि यहाँ के लोगों की मदद के लिए कुछ करूँ। महादेव की पा रही तो भविष्य में योजना का कार्य-क्षेत्र का विस्तार भी करेंगे परंतु मेरी हार्दिक इच्छा यह है कि हर गांव/शहर में मेरे से ज्यादा और बहुत ज्यादा धन कमाने वाले धन्नासेठ होंगे, उनमें भाव जगाकर वहां पर भी ऐसी योजना लाई जाये।हर शहर में ऐसे 5-6 शख्स भी प्रारंभ में दिल खोलकर सामने आकर अपने लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का बीड़ा उठायें तो निश्चित ही आने वाले समय में यह योजना एक मिसाल साबित हो सकती है।

योजना का कार्यान्वयन

1 इस योजना के कार्यान्वयन के लिए एक समिति गठित की जाएगी। समिति में निम्नलिखित व्यक्ति सदस्य के रूप में होंगे-

उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश
प्रतिष्ठित चार्टेड अकाउंटेंट
प्रतिष्ठित पूर्व बैंककर्मी
प्रतिष्ठित समाजसेवी इत्यादि ।

1. ये सभी सेवा भाव से इस योजना के क्रियान्वयन में अवैतनिक रूप से अपनी सेवाएँ देंगे तथा पात्रता इत्यादि की जांच करके बिना किसी जाति-धर्म के भेदभाव के पूर्ण पारदर्शिता के साथ ऋण उपलब्ध करायेंगे। मेरे या मेरे परिवार से इस समिति में कोई सदस्य नहीं होगा तथा न हम किसी की सिफारिश करेंगे।
2. यह समिति इस योजना के सफल कार्यान्वयन हेतु हर तरह से विचार करेगी और एक रूपरेखा तैयार करेगी। इसी रूपरेखा के अंतर्गत संपूर्ण योजना संचालित होगी।
3. 1 सितंबर से यह योजना लागू हो जाएगी।
4. इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को एक फॉर्म भरना होगा। यह फॉर्म सोशल मीडिया और समाचार-पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा।

योजना की तटस्थता व निष्पक्षता :

1. इस योजना के संचालन की संपूर्ण जिम्मेदारी समिति की होगी और समिति के निर्णय ही सर्वमान्य होंगे।
2. इस योजना पर मेरी या मेरे परिवार के किसी सदस्य की तरफ से कोई भी व्यक्तिगत निर्णय या सिफारिश थोपी नहीं जाएगी। इस तरह, यह योजना पूरी तरह निष्पक्ष, स्वायत्त व तटस्थ होगी।
3. इस योजना का प्रारूप व क्रियान्वयन समिति ऐसी बनाई गई है कि मैं रहूं या ना रहूं यह योजना चलती रहेगी।चूंकि कि सहायता राशि ऋण के रूप में दी जायेगी व पुन: प्राप्त होने पर और लोगों की मदद की जा सकेगी,इस प्रकार यह क्रम चलता रहेगा।

आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्तियों से अपील

समाज के जो भी व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम हैं और जिन्हें ईश्वर ने इस लायक बनाया है कि वे दूसरों की मदद कर सकें, उनसे निवेदन है कि वे समाज के असहाय और बेबस लोगों के कल्याण के लिए आगे आएँ। मानव-कल्याण में असीम आनंद है, अत: इस आनंद को प्राप्त करें।एक दिन सब कुछ यहीं छोड़कर प्रभु की शरण में जाना है,अत्यधिक संग्रह की प्रवृत्ति ठीक नहीं है।

एक कहावत है,-'पूत कपूत तो क्यो धन संचे, पूत सपूत तो क्यो धन संचे' अर्थात् अगर बेटा कुपुत्र है तो उसके लिये धन संचय क्यो किया जाय, वो तो उसे गलत कामों मे उड़ा देगा और अगर पूत सपूत है तब भी धन क्यो संचय किया जाय वो तो स्वयं अपनी काबलियत से आप से अधिक कमा सकेगा। यह व्यवहार में लाने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम सभी लोगों को तैयार करना है।

मुझे कुछ मित्र व रिश्तेदार पिछले कई वर्षों से कई बार कह चुके हैंकि सेवा कार्यों में इतना धन मत लगाया करो, सब दिन एक जैसे नहीं रहते हैं। मैं भी उनकों यही निवेदन करता हूंकि सब दिन एक जैसे नहीं रहते हैं, इसलिए अभी सक्षम हूं व सेवा कर सकता हूं सो अभी कर रहा हूँ। दादाजी मजदूरी करते थे,पिताजी सरकारी अध्यापक रहे, कभी सोचा नहीं उससे कहीं गुणा अधिक ईश्वर ने सबकुछ दिया।

"तेरा तुझको अर्पण,क्या लागे मेरा" ये केवल आरतियों में गाने के लिए नहीं हैं, जीवन में उतारने के लिए है। वैसे मैं आपको बता दूंकि सेवा कार्य करने से कभी भी गरीब नहीं हो जाओगे, मेरी कंपनी ने पिछले 4 वर्षों में 30 गुना से अधिक ग्रोथ की है, तो मैं इसका श्रेय पूर्णत: विद्यार्थियों/शुभचिंतकों के स्नेह व सेवा करने का मौका देकर जिन्होंने मुझे कतार्थ किया, उन्हीं को जाता है।

जिस मंत्र को रोजाना सुबह उठते ही बोलता हूं -

सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया: ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दु:खभाग्भवेत्
अर्थ - सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बनें और किसी को भी दु:ख का भागी न बनना पड़े।

आप सभी का स्नेह व विश्वास सदा बना रहे।ईश्वर इस योजना की क्रियान्वयन समिति को इस योजना का बढिया तरीके से क्रियान्वयन करने का आशीर्वाद दे।

आप सभी का हार्दिक आभार

निर्मल गहलोत
संस्थापक उत्कर्ष

मेजर ध्यानचन्द कुशवाहा

29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस

फील्ड हॉकी में तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता, भारतीय हॉकी खिलाड़ी ध्यान चंद निःसंदेह इस खेल को स्वीकार करने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक थे। वह युग के दौरान अत्यधिक प्रतिभाशाली भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा था जब भारत विश्व हॉकी पर हावी था। एक खिलाड़ी जो तुलना से परे है, उसके लक्ष्य–स्कोरिंग मिंजे बस दुनिया से बाहर थे। इतना ही है कि उसे अपनी अनोखी हॉकी प्रतिभाओं के लिए "विजार्ड" कहा जाता था। उन्होंने गेंद पर जबरदस्त नियंत्रण किया और ड्रबब्लिंग में एक विशेषज्ञ थे। असल में उनके ड्रिलिंग कौशल इतने अविश्वसनीय थे कि उनके प्रशंसकों ने उन्हें एक छड़ी के साथ जादूगर कहा। विपक्षी टीमों ने अक्सर अपनी छड़ी खोल दी ताकि यह जांच सके कि इसमें कुछ खास था या नहीं। इस हॉकी खिलाड़ी के भय से दुनिया इतनी ज्यादा थी कि अफवाह है कि एडॉल्फ हिटलर ने जर्मन सेना में जर्मन नागरिकता और कर्नल के पद को 1 9 36 बर्लिन ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद पेश किया था।

हॉकी के साथ उनका प्रेम संबंध तब शुरू हुआ जब वह किशोरी के रूप में सेना में शामिल हो गए। शुरुआत में उन्होंने सेना टीमों के लिए खेला जहां उन्होंने खुद के लिए एक नाम बनाया। वह भारतीय हॉकी टीम के कप्तान थे जिन्होंने 1 9 36 के बर्लिन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था और पहले दो ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली हॉकी टीमों, यानी 1 9 28 एम्स्टर्डम ओलंपिक और 1 9 32 लॉस एंजिल्स ओलंपिक का हिस्सा था।

बचपन और प्रारंभिक जीवन : ध्यान चंद का जन्म इलाहाबाद में समेश्वर दत्त सिंह कुशवाह के यहां हुआ था। उसके दो भाई थे। उनके पिता ने ब्रिटिश भारतीय सेना में काम किया जहां उन्होंने हॉकी खेला। उन्हें केवल छह साल की स्कूली शिक्षा मिल सकती

थी क्योंकि उनके परिवार को अपने पिता की नौकरी की हस्तांतरणीय प्रकृति के कारण लगातार एक शहर से दूसरे शहर में जाना पड़ता था। वह एक नौजवान के रूप में कुश्ती करना पसंद करते थे हालांकि वह अन्य खेलों की ओर उनका झुकाव नहीं था।

जब ध्यानचंद 16 वर्ष की उम्र में भारतीय सेना में शामिल हो गए। उन्होंने अपनी सेना के कार्यकाल के दौरान गंभीरता से हॉकी खेलना शुरू किया, अक्सर कर्तव्य के घंटों के बाद रात में देर तक अभ्यास करते थे। वह एक अच्छे खिलाड़ी थे और 1 9 22 से सेना हॉकी टूर्नामेंट में खेलना शुरू कर दिया। अपने कौशल के कारण उन्हें भारतीय सेना टीम में खेलने के लिए चुना गया था जो 1 9 26 में न्यूजीलैंड का दौरा करना था। उनकी टीम ने टूर्नामेंट में 21 में से 18 मैच जीते और ध्यान चंद को उनके प्रदर्शन के लिए बहुत सराहना की गई। उन्हें भारत लौटने पर लांस नाइक को पदोन्नत किया गया था।

फील्ड हॉकी को 1 9 28 में एम्स्टर्डम ओलंपिक में पुनरू प्रस्तुत किया गया था और भारतीय हॉकी फेडरेशन (आईएचएफ) इस आयोजन के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम भेजना चाहता था। ध्यानचंद के उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया था इसलिए ध्यान चंद ने भारतीय टीम में जगह बनाई।

भारतीय टीम एम्स्टर्डम गई और पूर्व माइकल मैचों में पूर्व ओलंपिक मैचों में डच, जर्मन और बेल्जियम टीमों को हराया। ध्यानचंद ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ भारत के पहले ओलंपिक मैच में तीन गोल किए, उन्होंने 6–0 से जीत दर्ज की। भारत ने फाइनल में पहुंचने के लिए बेल्जियम, डेनमार्क और स्विट्जरलैंड के खिलाफ भी मैच जीते।

26 मई 1 9 28 को आयोजित अंतिम मैच में, भारत को नीदरलैंड की घरेलू टीम का सामना करना पड़ा। भारत के कुछ शीर्ष खिलाड़ी बीमार सूची में थे और भारत की संभावनाएं निराशाजनक लग रही थीं। हालांकि, टीम ने नीदरलैंड को 3–0 से हराया और भारत ने अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। ध्यान चंद पांच मैचों में 14 गोल करके 1 9 28 ओलंपिक के नायक के रूप में उभरें।

1 9 32 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए, ध्यान चंद को भारतीय हॉकी टीम में स्वचालित रूप से चुना गया था, जबकि शेष टीम के साथी को अपनी जगह कमाने के लिए अंतर–प्रांतीय

टूर्नामेंट में खेलना पड़ा था। उनके भाई रूप सिंह ने भी टीम में जगह बनाई। 1 9 32 ओलंपिक में भारत का पहला मैच जापान के खिलाफ था, जिसने 11–1 से जीत दर्ज की। यह एक अच्छा ओमेन साबित हुआ क्योंकि भारत एक बार फिर से स्वर्ण पदक जीतने के लिए फाइनल में जीत से पहले कई अन्य मैचों में जीत हासिल कर रहा था।

ओलंपिक के बाद टीम संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और कई अन्य देशों को कवर करने वाले अंतरराष्ट्रीय दौरे पर गई। दौरे के अंत तक, भारत ने 37 में से 34 मैचों में जीता था, जिसमें ध्यानचंद ने भारत द्वारा बनाए गए 338 गोलों में से 133 रन बनाए थे। उन्हें 1 9 34 में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान बनाया गया और उन्होंने 1 9 36 के बर्लिन ओलंपिक में टीम का नेतृत्व किया। वहां भी उन्होंने अपने जादू और टीम को स्वर्ण पदक जीता – फील्ड हॉकी में भारत का तीसरा लगातार स्वर्ण। उन्होंने 1 9 40 के दशक के अंत तक हॉकी खेलना जारी रखा और 1 9 56 में सेना के रूप में सेना से सेवानिवृत्त हुए। वह सेवानिवृत्ति के बाद एक कोच बन गए।

पुरस्कार और उपलब्धियां : वह भारतीय हॉकी टीमों का हिस्सा थे जिन्होंने 1 9 28, 1 9 32 और 1 9 36 में फील्ड हॉकी में तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते। अपने खेल करियर में उन्होंने 1,000 से अधिक गोल किए, जिनमें से 400 अंतरराष्ट्रीय थे। 1 9 56 में खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पदम भूषण से सम्मानित किया गया।

व्यक्तिगत जीवन और विरासत : उन्होंने 1 9 36 में जानकी देवी से विवाह किया और उनके साथ सात बेटे थे। इस खेल कथा के आखिरी सालों दुर्भाग्य से दुःख में बिताए गए थे। बड़े पैमाने पर भूल गए और पैसे से कम, वह जीवन से बहुत परेशान हो गया। वह यकृत कैंसर से पीड़ित था और 74 साल की उम्र में 1 9 7 9 में उसकी मृत्यु हो गई। खेल में जीवन भर की उपलब्धि के लिए भारत का सर्वोच्च पुरस्कार, ध्यान चंद अवॉर्ड का नाम उनके नाम पर रखा गया है।

इस हॉकी किंवदंती की एक प्रतिमा चार हाथों और चार छड़ों के साथ बनाई गई थी जिसमें विघना ने गेंद पर अपने मास्टर नियंत्रण को दर्शाया था। 2 9 अगस्त को इस महान हॉकी खिलाड़ी का जन्मदिन भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। वो खेलते थे, तो गेंद स्टिक पर चिपक जाती थी. हॉकी के सबसे बड़े जादूगर मेजी ध्यानचंद को माली सैनी संदेश परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि.

15 अगस्त से एक वृक्ष शहीदों के नाम अभियान की शुरूआत

सैनी यूथ फेडरेशन ने कोविड-19 के योद्धाओं का किया सम्मान

देवीगढ़। सैनी यूथ फेडरेशन के कौमी प्रधान नरेन्द्र सैनी उर्फ लाली और हरियाणा के रादौर विधानसभा के विधायक बीएल सैनी की अगवाई में कोरोना याद्धाओं को सम्मानित करने के लिए एक समारोह करवाया। सम्मान समारोह में प्रोफेसर पूर्ण सिंह कोर कमेटी मेंबर रजिंदर सिंह सैनी, एमसी पटियाला ने विशेष तौर पर शिरकत की। जितेन्द्र पाल सिंह सैनी एमसी पटियाला ने विशेष तौर पर शिरकत की। जितेन्द्र पाल सिंह सैनी एसआई, सुरेन्द्र पाल सिंह एसआई, नायब तहसीलदार इंदर कुमार, लवली सिंह पीएनबी बैंक, सुरिंदर कुमार सैनी इंचार्ज पंजाब पुलिस सभ्याचारक ट्रूप पटियाला जसवंत सिंह सैनी, करनैल सिंह डीएसपी, इंजीनियर सिमरजीत सिंह एसडीओ पीएसपीसीएल पटियाला आदि का सम्मान किया।

इस मौके 15 अगस्त को देशभर में सैनी यूथ फेडरेशन की ओर से एक वृक्ष शहीदों के नाम मुहिम की शुरूआत की गई है जिसकी काफी सराहना की जा रही है। उपरांत हरियाणा के विधायक बीएल सैनी को सम्मानित किया गया और एक पौधा भी भेंट किया गया। इस अभियान के तहत आपसी सहयोग से गांवों के सार्वजनिक सीनों पर पौधे लगाने का प्रस्ताव भी रखा गया। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने न केवल पर्यावरण में बड़ी गिरावट पैदा की है, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए भी खतरा पैदा कर दिया है। पर्यावरण गिरावट से उत्पन्न चुनौतियों के कारण मानव जीवन खतरे में है और स्वतंत्रता का त्याग करके प्राप्त स्वतंत्रता का आनंद लेने के बजाए, लोग विभिन्न बीमारियों से पीड़ित है। इस लिए फैडरेशन ने शहीदों को समर्पित पौधे लगाने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

फैडरेशन के कार्यकर्ताओं ने लाडपुर गांव में पौधे लगाकर व लोगों को अपने घरों में पौधे लगाने के लिए बांट कर अभियान शुरू किया। इस अवसर पर सुखविंदर सिंह रंधावा, सुरजीत सिंह सरपंच, मास्टर रोशन सिंह, सुरिंदर सिंह, दविंदर सिंह लाडपूर, समिंदर सिंह, दिलबाग सिंह, अवतार सिंह बॉबी, भूपिंदर सिंह पुराणा भंगाला, खुशविंदर सिंह, डॉ. रूपिंदर सैनी, अगन रंधावा, मंगल सिंह आदि भी उपस्थित थे।

क्या आप जानते है... हमारे युवा हमारा गर्व

हरिद्वार की डॉ हिमानी सैनी इसरो में सांइटिस्ट इस होनहार बहन को शायद कम ही लोग पहचानते होगें। डॉ हिमानी सैनी छोटे से गाँव मसाही कलां की रहने वाली हैं। पूरे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। हमे गर्व है समाज की बेटी पर जो राष्ट्र की सुरक्षा में अहम जिम्मेदारी निभा रही है।

Indian Space Research Organization (ISRO) Scientist

अमेरिका में प्रशिक्षित डॉ नीतू सैनी अपना क्लिनिक लेस कॉसमेडिक्स चलाती हैं। वह कॉस्मैडिक्स त्वचा की कनाडा उपचार प्रणाली को पश्चिमी दिल्ली में लेकर आई व देश मे उच्च स्तरीय उपचार का रास्ता खोला। नीतू सैनी अमेरिकन एकेडमी ऑफ एस्थेटिक मेडिसिन द्वारा प्रमाणित डॉक्टर भी हैं है। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा से स्नातक करने के बाद में वह कनाडा में एस्थेटिक क्लिनिक में शामिल हुई..

जोधपुर की बेटी युवा दबंग नैत्री छात्र जीवन से ही युवा महिलाओं की आवाज को बुलंद करने वाली स्पेशल चाइल्ड एज्युकेटर श्रीमती दिव्या गहलोत सांखला रेडियों जॉकी के रूप में भी अपनी अमिट छाप छोड़ चुकी है। दिव्या अब राजस्थान महिला प्रदेश कांग्रेस की सोशल मीडिया कॉर्डिनेटर बन महिलाओं को राजनीति में भागीदारी के लिए संघर्षरत

हार्दिक बधाई

अशोक सैनी राजस्थान की राजनीति में अल्प समय में अपनी कार्यशैली एवं कार्यकुशलता से भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सफलता पूर्वक उत्कृष्ट सेवा कार्य कर अब अशोक सैनी राजस्थान भाजपा के प्रदेशमंत्री हुए नियुक्त । माली सैनी संदेश परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आप वर्तमान में भाजपा के प्रदेश युवा अध्यक्ष का दायित्व भी संभाल रहे है।

संतोष सांखला
9252067133
9414359805

नेमीचंद सांखला
9529551444

आ. पी. तंवर
9414117306

तंवर मार्बल
मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)
E-Mail : marbletanwar@gmail.com
शोरूम : सैनी कॉम्पलैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भुराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तूर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तूराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री बृजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, व्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर

श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकाराराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरवा
श्री भीकाराम खेतारात देवड़ा, कुड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिंवरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़ूलाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटूराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पूराम पुत्र श्री रामचंद गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्धाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एन.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छवा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश

माली सैनी सन्देश

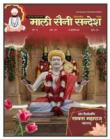

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

टिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियाँ आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यही नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें फे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु 400/-	पांच वर्ष रु 900/-	आजीवन रु 3100/-

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन /मोबाईल _____ ई–मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रुपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

टिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखें : – प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रिएटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर कॉम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

www.malisainisandesh.com

हार्दिक बधाई

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित

श्रीमती गीता माली

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

हमारे लोग, हमारी पहचान

माली सैनी प्रिवलिज कार्ड

आपका सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक दस्तावेज
समाज हित में हर व्यक्ति के लिए अत्यंत उपयोगी

माली सैनी प्रिवलिज कार्ड के उद्देश्य

- समाज का मास्टर डेटाबेस
- बिजनेस नेटवर्किंग
- मेट्रीमोनियल
- सामाजिक एवं धार्मिक सूचनाएं
- सरकारी योजनाओं
- लाभों की जानकारी
- जॉब्स और प्लेसमेंट
- व्यवसाय / डिस्काउंट्स

देश भर में माली सैनी कार्ड का वितरण जारी है माली सैनी कार्ड एवं इससे जुड़े डेटाबेस को हम समाज हित में किस तरह अधिक से अधिक उपयोगी बना सकते है, इस बारे में आपके रचनात्मक सुझाव सादर अपेक्षित है

अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन फार्म भरने के लिए सम्पर्क करें

www.malisainisandesh.com

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाउस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR